

आश्रम पुं. (तत्.) 1. ऋषियों का निवास-स्थान, तपोवन 2. जीवन की चार अवस्थाएं ब्रह्मचर्य गृहस्थ आदि 3. परोपकार या किसी पुण्य के कार्य के लिए स्थापित आवासी संस्था जैसे- अनाथाश्रम।

आश्रमधर्म वि. (तत्.) [आश्रम+धर्म] 1. आश्रम विशेष के नियम और सिद्धांत, आश्रम का अनुशासन 2. आश्रम व्यवस्था जैसे- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास।

आश्रमवास पुं. (तत्.) 1. वानप्रस्थ का जीवन 2. तपोवन में निवास, आश्रम में रहना।

आश्रमवासी पुं. (तत्.) आश्रम में निवास करने वाला, संन्यासी, तपस्वी।

आश्रमिक, आश्रमी वि. (तत्.) दे. आश्रमवासी।

आश्रय पुं. (तत्.) 1. आधार 2. शरण, ठिकाना 3. सहारा, अवलंब 4. घर 5. सानिध्य।

आश्रय शब्द पुं. (तत्.) भा.वि. वाक्य के ऐसे शब्द जिन का प्रयोग पुनः ऐसे किया जाए, ताकि वाक्य के उस अंश पर अधिक बल पड़े जैसे- कल दस बजे आओगे, आओगे ना, पुनरुक्त शब्द, जिन का कार्य है अर्थ पर बल देना (इन शब्दों का प्रयोग आदेशात्मक वृत्ति में अधिक होता है।

आश्रय स्थल पुं. (तत्.) [आश्रय+स्थल] ऐसा निवास जिसमें भिन्न रूप से असमर्थ, अर्थात् विकलांग आदि, अनाश्रित महिलाएँ और वृद्ध जन रहते हैं, यहाँ उन की देखभाल भी की जाती है।

आश्रयण पुं. (तत्.) सहारा लेने का कार्य।

आश्रयणीय वि. (तत्.) आलंबन के योग्य, सहारा लेने या देने के योग्य।

आश्रयार्थ क्रि.वि. (तत्.) आश्रय के लिए, आश्रय हेतु, आश्रय प्राप्ति की इच्छा से।

आश्रयासिद्ध वि. (तत्.) (आश्रय+असिद्ध) न्याय. जो तर्क के आधार पर सिद्ध न हो, असिद्ध कथन अथवा वक्तव्य।

आश्रयासिद्धि स्त्री. (तत्.) [आश्रय+असिद्धि] कथन, तर्क अथवा वक्तव्य की असत्यता।

आश्रयी वि. (तत्.) सहारा लेने या पाने वाला, आश्रय लेने वाला (न्या. शा)।

आश्रव पुं. (तत्.) 1. प्रतिज्ञा, वचन 2. किसी के कहे पर चलना 3. अंगीकार करना 4. प्रवाह, धारा 5. पकते हुए चावल का फेन 6. योग. अविद्या, आस्मिता आदि क्लेश 7. (वौद्ध) बंधनकारक विषय।

आश्रि स्त्री. (तत्.) असिधारा, तलवार की धार।

आश्रित वि. (तत्.) 1. सहारे पर टिका हुआ, ठहरा हुआ 2. अवलंबित 3. अधीन। पुं. 1. वह जो भरण-पोषण के लिए किसी पर अवलंबित हो 2. स्त्री-बच्चे 3. नौकर-चाकर 4. न्याय. आकाश और नित्य परमाणु द्रव्यों को छोड़कर दूसरे अनित्य द्रव्यों का किसी-न-किसी अंश में दूसरे से साधर्म्य।

आश्रित उपवाक्य पुं. (तत्.) भाषा. वह उपवाक्य जो किसी मूल वाक्य पर आधारित हो उदा. 'मैं जानता हूँ कि वह निर्दोष है' में 'वह निर्दोष है' आश्रित उपवाक्य है तु. मुख्य उपवाक्य, समानाधिकरण उपवाक्य दे. उपवाक्य।

आश्रित चर पुं. (तत्.) गणि. वह चर जिसका मान एक अन्य चर के मान पर आश्रित है। जैसे- $x=y^2$ में x आश्रित चर है dependent variable

आश्रित देश पुं. (तत्.) राज. अन्य पर आश्रित स्थल, भूखंड, प्रदेश आदि।

आश्रुत पुं. (तत्.) 1. गृहीत या स्वीकृत बात 2. जोर से कही गई बात जो सुनाई पड़े वि. 1. श्रुत, सुना हुआ 2. अंगीकृत।

आश्रुति स्त्री. (तत्.) 1. श्रवण, सुनना 2. स्वीकृति 3. वचनदान।

आश्लिष्ट वि. (तत्.) 1. जुड़ा हुआ, चिपका हुआ हृदय से लगा हुआ 2. आलिङ्गित 3. संबद्ध, मिला हुआ।